कृषिमित् कृषस्व-खेती ही करो

भारतीय किसान संघ

(सो.रजि.अधि. के अंतर्गत पंजीकृत गैर सरकारी संगठन : पं. क्र.758/2001-2002)
पंजीकृत कार्यालय : उत्तरांचल उत्थान परिषद, सेवा निकेतन, हरिद्वार रोड, पो.-नेहरू ग्राम, देहरादून (उत्तराखण्ड)
प्रशासनिक कार्यालय : 43, पं. दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002
www.kisansangh.org, E-mail- bkscentraloffice@gmail.com दूरभाष : 011-23210048

दिनांक : .23.11.2016, नई दिल्ली

आदरणीय बंधुवर,

.....सादर नमस्कार।

दिनांक 10 नवंबर-2016 को राष्ट्र ऋषि श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी जी के जन्मतिथि के अवसर पर गांधी स्मृति व दर्शन समिति, राजघाट (नई दिल्ली) में **'वैश्वीकरण के 25 वर्ष : कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रभाव'** इस विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न हुई। यह संगोष्ठी भारतीय किसान संघ एवं भारतीय कृषि आर्थिकी शोध केंद्र के तत्वावधान में हुई। इस संगोष्ठी का केंद्र सरकार की वाणिज्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी ने उद्घाटन किया। इसका समापन प्रसिद्ध अर्थ विशेषज्ञ एवं प्रख्यात स्तंभकार श्री एस. गुरुमूर्ति जी ने किया। इस संगोष्ठी में श्री भरत झुनझुनवाला, डॉ. महेश शर्मा, श्री अनिरुद्ध देशपाण्डे, श्री देवेंद्र शर्मा आदि विशेषज्ञों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में से यह बात ध्यान में आया कि वैश्वीकरण के कारण विकास तो हुआ है, लेकिन इसका फायदा कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र को नहीं मिला। साथ ही यह विकास असमानता बढ़ाने वाला ही है। इस बात को ध्यान में रखते हुए आने वाले 25 वर्षों में वैश्वीकरण के संदर्भ में हमको कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्रों को विकास का समान अवसर मिले, इस प्रकार की नीति अपनाने की आवश्यकता है। यह वर्ष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 'एकात्म मानव दर्शन' के विचार दर्शन का 50वां वर्ष है। ऐसे समय में अंत्योदय को ध्यान में रखते हुए नीति में परिवर्तन करना चाहिए। श्रद्धेय ठेंगड़ी जी द्वारा जो तीसरे विकल्प का पर्याय दिया गया था, उसके आधार पर नई रचना बनानी चाहिए। ऐसा निष्कर्ष इस संगोष्ठी में से सामने आया।

11 नवम्बर-2016 को दिल्ली में अखिल भारतीय कार्यकारिणी की एक दिवसीय बैठक संपन्न हुई। बैठक में हुई चर्चा एवं लिए गए निर्णयों की जानकारी निम्नानुसार है :-

- **सांसद सम्पर्क कार्यक्रम :** दिनांक 11 से 20 अक्टूबर के मध्य सांसदों से संपर्क अभियान चलाया गया था। इस दौरान देशभर में 209 सांसदों से संपर्क हुआ। यह सांसदों की कुल संख्या का मात्र 25% ही है। अतः सभी सांसदों से मिलना आवश्यक है। **राज्यसभा एवं लोकसभा सदस्यों से सम्पर्क के लिए सम्पर्क अवधि को दिसम्बर प्रथम सप्ताह तक बढ़ाया गया है, इसलिए अपने-अपने प्रांत में शेष रह गये सांसदों से भी सम्पर्क की योजना बनाकर प्रयास हो कि शत-प्रतिशत सांसदों से सम्पर्क हो जावे। 7 दिसम्बर को कृपया इस बाबत केंद्रीय कार्यालय को वांछित जानकारी भी अवश्य भिजवाई जावे।**
- **केंद्रीय अधिकारी प्रवास :** प्रथम चरण के प्रवास में तय कार्यक्रमों की समीक्षा करने के लिए दूसरे चरण का प्रवास होना है। प्रथम चरण में जो अधिकारी अपने प्रांत में आए थे उनसे संपर्क करके द्वितीय चरण का प्रवास तय करें। इस दूसरे चरण के प्रवास में केवल प्रांत कार्यकारिणी ही अपेक्षित होगी। अतः यह प्रवास दिसंबर-जनवरी में संपन्न हो।
- **आर्थिक प्रवास :** पूर्व निर्धारित आर्थिक प्रवास योजना को आगामी प्रतिनिधि सभा से पूर्व संपन्न करना सुनिश्चित करें।

आगामी कार्यक्रम :-

- **प्रांत एवं क्षेत्र संगठन मंत्री बैठक :** दिनांक 30, 31 दिसंबर-2016 व 1 जनवरी 17 को रांची (झारखंड) में होगी।
- **प्रतिनिधि सभा :** फरवरी 5, 6 एवं 7, वर्ष 2017 को निजामाबाद, तेलंगाना में रहेगी। 4 फरवरी को अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक प्रातः से ही होगी। 7 फरवरी को दोपहर भोजनोपरांत वापस लौट सकेंगे। प्रतिनिधि सभा में प्रांत कार्यकारिणी एवं ऊपर के कार्यकर्ता अपेक्षित है। सभी अपेक्षित प्रतिनिधियों (हर प्रांत से 21) से 100 रुपये प्रतिनिधि शुल्क प्रांत द्वारा एकमुश्त जमा कराना होगा। आने-जाने का आरक्षण अपने स्थान से ही करवाकर आवें।
- निजामाबाद पहुंचने के लिए दक्षिण से आने वाले बंधु सीधे निजामाबाद, उत्तर-पूर्व की ओर से आने वाले बंधुओं को सिकन्दराबाद और कांचीगुड़ा (सब स्टेशन) से ट्रेन मिलेगी। दिल्ली की ओर से आने वाले कार्यकर्ता सिकन्दराबाद या वाया नांदेड़ भी पहुंच सकते हैं। राजस्थान, गुजरात आदि प्रांतों के कार्यकर्ता नांदेड़/मन्माड़ होकर पहुंच सकते हैं। आवश्यकता की स्थिति में अन्य जानकारी के लिए नीचे लिखे फोन पर सम्पर्क भी कर सकते हैं।

संपर्क : श्री साय रेड्डी, मो.-09440439138

भवदीय

बद्री नारायण चौधरी
महामंत्री, भा.कि.संघ
मो.-09414048490